

विशेषांक

26 फरवरी, 2025

601 रुपए



इंडिया टुडे



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

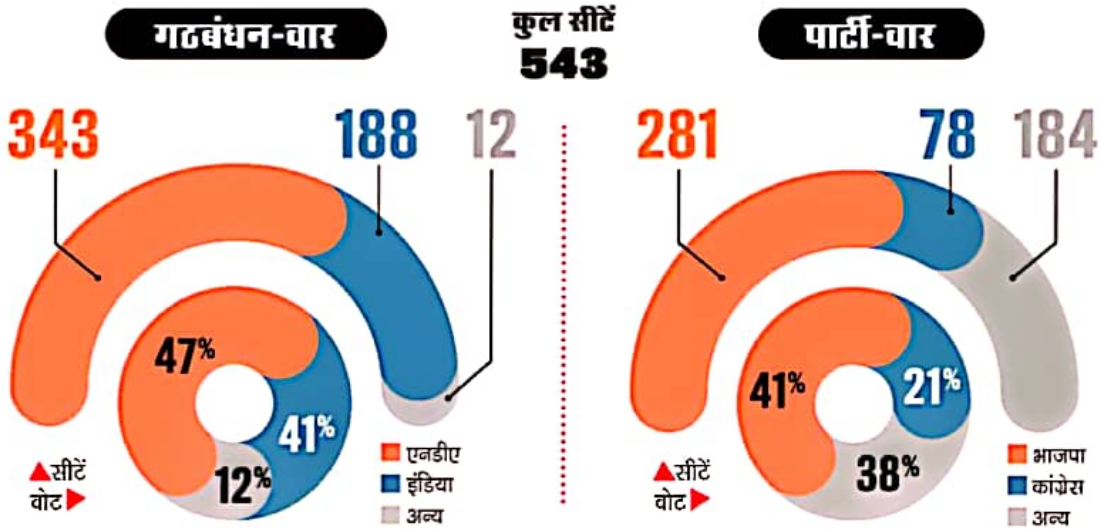
देश का मिज़ाज सर्वेक्षण

धम्माकेदार वापसी

भाजपा ने अपनी खोई चुनावी जमीन हासिल की. वह अकेले अपने बूते बहुमत पा लेने में सक्षम. लेकिन अर्थव्यवस्था अब भी मोदी सरकार के लिए चिंता का सबब बनी हुई

इंडिया टुडे देश का मिज़ाज सर्वेक्षण, फरवरी 2025

लोकसभा चुनाव आज कराए जाएं तो अनुमानित नतीजे कुछ इस तरह के हो सकते हैं



वोट हिस्सेदारी के आंकड़े

भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (युनाइटेड), तेलुगु देशम पार्टी, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासव नेलाल), नेशनल पीपल्स पार्टी, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, नगा पीपल्स फ्रंट, मिजो नेशनल फ्रंट, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, दुर्गेंद्रस यूनियन, इंडीजीनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठारवले), असम गण परिषद, पहालि मक्कल कांंग्रेस, युनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, जननायक जनता पार्टी, प्रहार जनता पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, जन सुराज्य शक्ति पार्टी, जनता दल (सोकुलर), कुकी पीपल्स एलायंस, युनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (मेघालय), हिल स्टेट पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, निपाद पार्टी, ऑल इंडिया एन.आर. कांंग्रेस, हिंदुस्तावी अवाम मोर्चा, जन सेना पार्टी, हरियाणा लोकहित पार्टी, भारत धर्म जन सेना, केरल कामराज कांंग्रेस, पुतिय तमिलगम, गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट, तिपरा मोथा

इंडिया: भारतीय राष्ट्रीय कांंग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कलगम, ऑल इंडिया तुणमूल कांंग्रेस, समाजवादी पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, रिबोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, विदुतलै विरुत्तैंगल काक्चि, केरल कांंग्रेस (मणि), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावादी), पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माक्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, माठमलारची द्रविड़ मुनेत्र कलगम, कोंगुनाडु मक्कल देसिय काक्चि, मणितालेय मक्कल काक्चि, केरल कांंग्रेस (जोराफ)

अन्य: वीजू जनता दल, बहुजन समाज पार्टी, भारत राष्ट्र समिति, वाइएसआर कांंग्रेस पार्टी, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कलगम, ऑल इंडिया मजलिसे इतेहादुल मुस्लिमीन, शिरोमणि अकाली दल, इंडियन नेशनल लोकदल, अम्मा मक्कल मुनेत्र कलगम, बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, गोरखा जनमुक्ति मोर्चा, जनता कांंग्रेस छत्तीसगढ़, मक्कल नीति मय्यम, सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, स्वाभिमानवी पक्ष, अन्य

सभी ग्राफिक्स: तन्मय चक्रवर्ती और असित रॉय

इसलिए झटका था क्योंकि उन्होंने अपनी पार्टी के 350 से ज्यादा, यानी 2019 के आम चुनाव में हासिल 303 सीटों से करीब 50 ज्यादा, सीटें जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया था. कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्षी गठबंधन भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने 234 सीटें जीत लीं और कुछ वक्त के लिए लगा कि भाजपा गठबंधन की राजनीति के दबावों और बाध्यताओं की बंधक बन गई. इसके बावजूद उस आम चुनाव के बाद वक्त के साथ कदमताल करते हुए हरियाणा,

महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए तीन बड़े विधानसभा चुनाव में जीत की निर्णायक हैट्रिक लगाकर मोदी और भाजपा ने अपनी चाल-ढाल में गजब की ऊर्जा और आत्मविश्वास फिर हासिल कर लिया है. इससे ठीक विपरीत इंडिया ब्लॉक और उसके अलग-अलग घटक दलों ने भुलावे में रहकर भाजपा को राजनैतिक ताकत और अपना दबदबा फिर हासिल करने दिया. इसका असर इंडिया टुडे-सी वोटर देश का मिज़ाज जनमत सर्वेक्षण में भी झलका. सर्वेक्षण में पार्टी के प्रति रुझान में नाटकीय

जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को आर्थिक बढ़ोतरी सहित देश का मिज़ाज सर्वेक्षण में उभरीं लोगों की चिंताओं पर गौर करना जरूरी है.

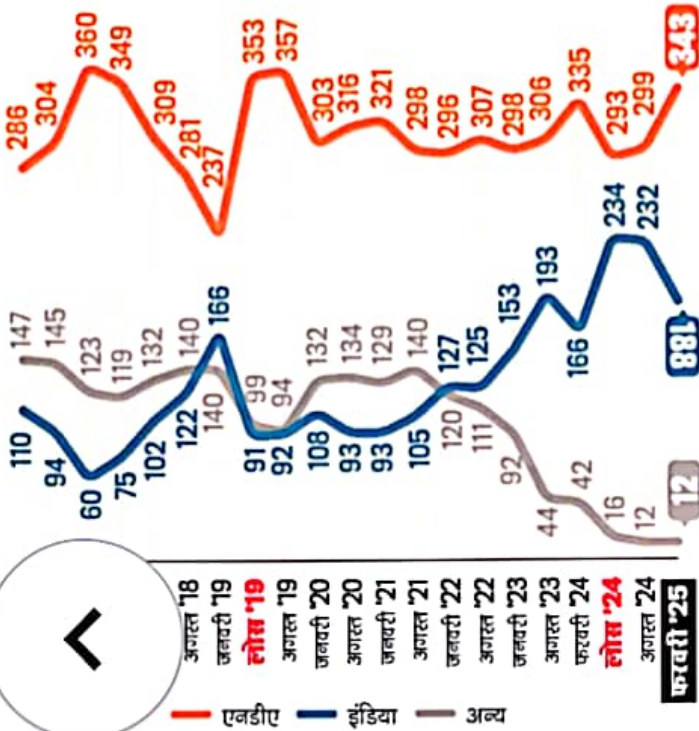
लोगों के रुझान में किस तरह से आए बदलाव

पिछले 'देश का मिज़ाज' सर्वेक्षण में सीटों और वोट प्रतिशत के अनुमान

कुल सीटें
543

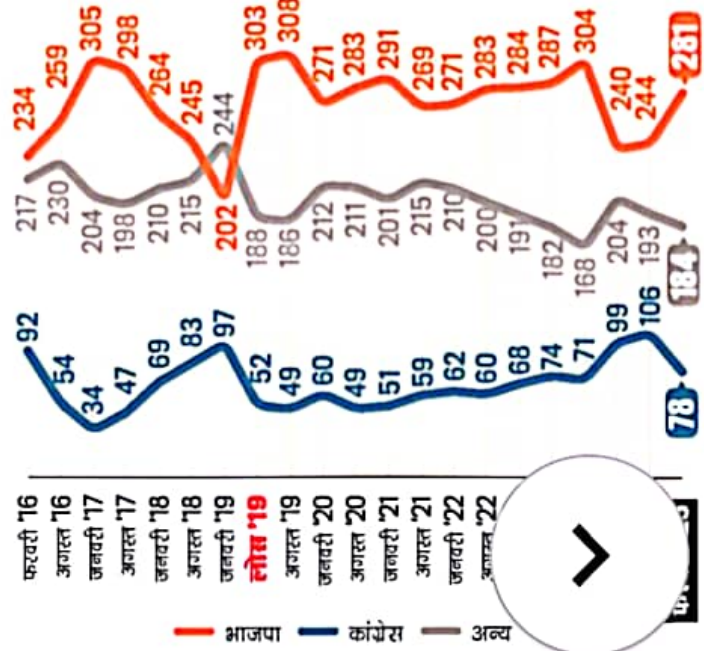
गठबंधन-चार

सीटों का अनुमान

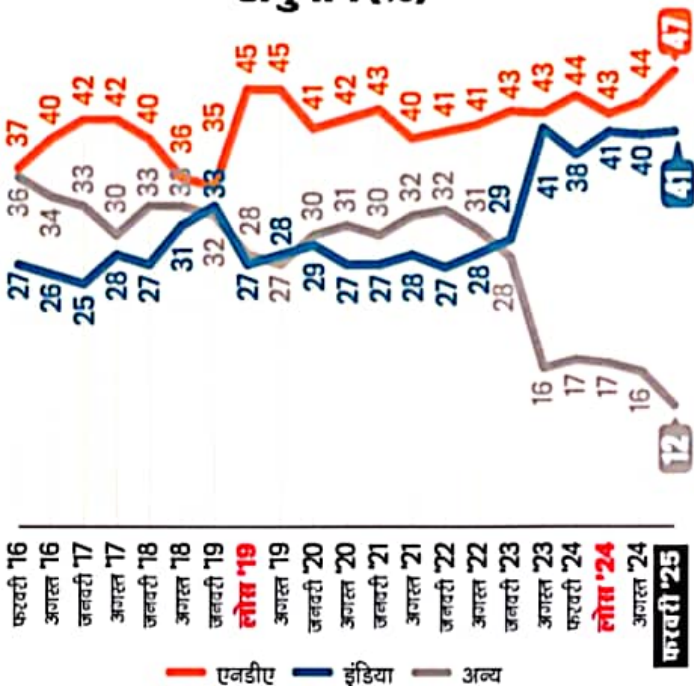


पार्टी-चार

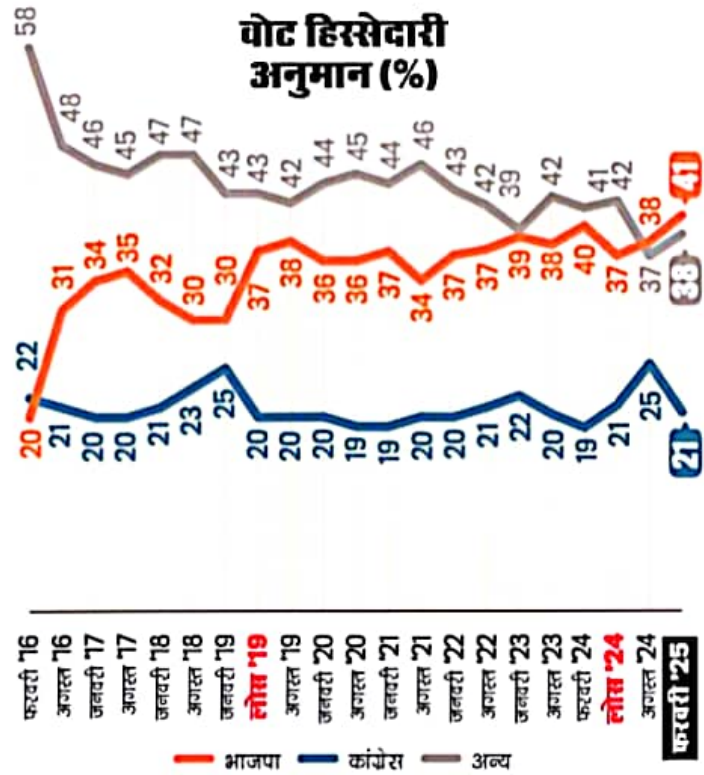
सीटों का अनुमान



वोट हिस्सेदारी अनुमान (%)



वोट हिस्सेदारी अनुमान (%)



वोट प्रतिशत के आंकड़े पूर्णांक में बदले गए हैं; इंडिया के दिखाए गए फरवरी '16 और जनवरी '23 के अनुमान/असल नतीजे दरअसल पूर्व के गठजोड़ यूपीए के हैं